ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -६

हिन्दी

पाठ -3

ईश्वर जो करता है ,
अच्छा ही करता है

प्रस्ताव-

ईश्वर एक अनदेखी अनुभव की जाने वाली शक्ति है।वह संसार का निर्माता है।वह जो भी करता है सोच समझ कर करता है। लेकिन हम मनुष्य बिना-सोचे समझे ईश्वर को दोषारप करते हैं। जैसे-अक्बर बीरबल की कहानी........

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पात्र परिचय-

1.अक्बर
2.बीरबल

बिषयवस्तु-

एक बार अकबर जंगल में शिकार करते हुए......... यह देख बीरबल कहते हैं ईश्वर जो करता है अच्छा ही करता है।....... अक्बर बीरबल को फांसी का.......। जंगल में आदिवासी लोग ....।राजा को बली चढ़ाने........... लेकिन.........। तब राजा को बीरबल की कही हुई ....।तब वो बीरबल को छोड़.............। तब भी बीरबल अपनी बात दोहराते हैं।अब राजा...............। बीरबल कहते हैं...........। राजा खुस हो जाते हैं। राजा को बीरबल की कही हुई बात समझ में आ जाता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबंधित प्रश्न-

1.राजा का नाम क्या था और उनके मंत्री का नाम क्या था?
2.राजा कहां शिकार कर रहे थे?
3.अक्बर बीरबल के उपर क्यों गुस्सा हुए और उन्हें क्या सज़ा सुनाई?
4. राजा को अपनी गलती का अहसास कैसे हुआ?
5. राजा को कौन पकड़ कर ले गए थे?
6.बीरबल को फांसी से कैसे मुक्ति मिला?
7. अंत में राजा बीरबल से क्या कहें?

इस कहानी के जरिए छात्रों में ईश्वर के प्रति विश्वास रखने का प्रयत्न किया गया है। ईश्वर इस संसार की रचना किए हैं।वह जो भी करते हैं सोच समझ कर करते हैं। परन्तु हम अज्ञानी मनुष्य ईश्वर की रचना को समझने में असमर्थ हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सामान्य उद्देश्य-

ईश्वर जो करता है अच्छा ही करता है।हम मनुष्य उनके रचना को समझने में असमर्थ होते हैं। हमें आस्तिक होना चाहिए और ईश्वर को विश्वास करना चाहिए।

विशिष्ट उद्देश्य-

दैनिक जीवन में हमें किसी की त्रुटि नहीं निकालनी चाहिए। ईश्वर सर्वव्यापी और शक्तिमान हैं। उसके अस्तित्व को स्वीकार करने में ही भलाई है। तर्क-वितर्क से दूर रहकर ज्ञान अर्जित करना चाहिए।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

'ईश्वर जो करता है, अच्छा ही करता है।' इस पाठ में दो मित्रों की दो विभिन्न विचारधाराओं को प्रतिपादित किया गया है। निखिल नास्तिक है। वह ईश्वर की हर रचना में कोई–न–कोई त्रुटि निकालकर अपने को ज्ञानी समझता है। उसे ईश्वर की हर रचना में कमी दिखाई देती है और अपने मित्र गौरव के विश्वास का मज़ाक उड़ाता है। उसका मित्र (गौरव) आस्तिक है वह ईश्वर पर पूर्ण विश्वास रखता है उसकी नज़र में ईश्वर की हर रचना में कोई भलाई अवश्य ही छिपी हुई है। वह अपने प्रभु पर विश्वास और सिद्धांत के पक्ष में अकस्मात् हुई घटना से निखिल की आँखों को खोल देता है जब आम के पेड़ के नीचे बैठे हुए विशाल पेड़ से आम गिरकर उसकी गंजी खोपड़ी पर गिरता है। वह दर्द से तड़प उठता है। यह घटना उसे सोचने के लिए मज़बूर करती है कि यदि आम की जगह तरबूज़ गिरता तो उसकी जीवन–लीला समाप्त हो सकती थी। अब उसे अपनी भूल और अज्ञानता का पता चलता है और वह कह उठता है कि 'ईश्वर जो करता है, अच्छा ही करता है' मैं मूर्ख हूँ जो इसकी रचना के महत्त्व को समझ नहीं पाया हूँ। उसकी रचना दोष रहित है।

गृह कार्य- पाठ को पढ़कर कठिन शब्दों को रेखांकित करो।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow